बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[भाग–२ कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित]

शनिवार, तिथि २८ मार्च, १९८१ ई०

विषय-सूची

	पृष्ठ
विशेषाधिकार प्रश्न के बारे में चर्चा	१–४
स्थगन प्रस्ताव की सूचना	४–५
शून्यकाल की चर्चाएँ :	
(क) कैदियों के समक्ष पीने के पानी की समस्या	५
(ख) श्री अशोक कुमार सिंह की हत्या	५
(ग) एम० ए० एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई	६
(घ) सिंचाई के लिए लिफ्ट पम्प की व्यवस्था	६
(ङ) नियुक्ति में आरक्षण की अवहेलना	६–७
(च) श्री राजनन्दन सिंह को पुनर्स्थापित करना	७
(छ) प्रबंधक द्वारा कॉलेज का प्रभार नहीं छोड़ना	७

(ज) रोहतास जिला के विभिन्न गांवों में लोगों की हत्या।

श्री जंगी सिंह चौधरी—अध्यक्ष महोदय, रोहतास जिला सासाराम एवं भगवानपुर प्रखंड के अन्तर्गत, चैनपुर, दरिया गांव, चोरहडी, आलमपुर, सोनहर इत्यादि इलाकों में वहां के ऊँची जाति के लोग बिन्दों, हरिजनो, पिछड़ों को दिन दहाड़े गोली से मार देते हैं। ऐसा भी सुनने में आया है कि जाति पूछकर गोली मारी जाती है तथा पुलिस भी गोली मार कर मुठभेड़ में मारे जाने का कारण दिखा देती है। अतः सरकार से अनुरोध है कि इस तरह के कुकर्म को शीघ्रता-शीघ्र रोकें।

— — —

(झ) श्री सुरेन्द्र सिंह की हत्या।

*श्री रामनरेश सिंह—अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से सरकार का ध्यान नालन्दा जिले के नूरसराय थाना अन्तर्गत डोइया ग्राम के कुछ लोगों द्वारा श्री सुरेन्द्र सिंह, ग्राम सिरनामा थाना चण्डी (नालन्दा) दो हत्या की ओर आकृष्ट कर रहा हूं। तिथि २२-१-८१ को शाम में श्री सुरेन्द्र सिंह, सोहसराय (बिहार शरीफ) से रिक्शे में नूरसर जा रहे थे कि डोइया ग्राम के लोगों ने घेर कर उनका हत्या कर दी और नरसर थाना प्रभारी श्री ईन्दू भूषण प्रसाद सिन्हा ने काफी रुपया हत्यारों से लेकर मृतक को डकैत घोषित कर दिया है। इस थाना प्रभारी की बदली का आदेश मुख्य मंत्री जी ने २० दिन पूर्व ही कर दी थी, परन्तु नालन्दा पुलिस अधीक्षक के चहेता होने के कारण, मुख्य मंत्री का आदेश, खटाटर में पड़ा है अतः थाना प्रभारी को तत्काल मुअतल किया जाय और इस हत्या की जाँच सी० आई० डी० से करायी जाय।

— — —

(ञ) भ्रष्टाचार बी० डी० ओ० को हटाना।

*श्री जनार्दन तिवारी — अध्यक्ष महोदय, पलामू जिलान्तर्गत पाटन प्रखंड के अमवा ग्राम में दिनांक २२-३-८१ को दिन दहाड़े १२ बजे उन्नीस हरिजनों के घर तोड़ दिए। साथ ही हरिजनों के सारे समानों को लूट लिया गया। ये सारे कार्य स्थानीय प्रखंड विकास पदाधिकारी के नेतृत्व में होते रहा। अतः सरकार से इस बी० डी० ओ० को तत्काल हटावें।